CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 237 □ रायपुर, शनिवार 19 सितंबर 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

कर्मचारियों से भरी बस बेकाबू होकर पलटी

एक की मौत, 20 से अधिक घायल

बालोद से धमतरी जा रही थी बस

बालोद, 19 सितम्बर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बालोद में बेलगाम रफ्तार शनिवार को सुबह-सुबह दर्दनाक सड़क हादसे का कारण बन गई. कर्मचारियों से भरी बस करहीभदर के पास दुर्घटना का शिकार हो गई. एक युवक की मौत हो गई है. वहीं 20 से अधिक लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है. घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है.

जानकारी के मुताबिक, हादसे का शिकार हुई बस धमतरी की डीआरडी कंपनी की बताई जा रही है. बस में कंपनी के बड़ी संख्या में कर्मचारी सवार थे. शनिवार सुबह बस बालोद से धमतरी की ओर जा रही थी. इसी दौरान करहीभदर के पास बस अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गई. हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. हादसे के बाद शव को बस से बाहर निकालने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी. बताया जा रहा है कि शव को बाहर निकालने में करीब एक घंटे का समय लगा. वहीं घायलों को तत्काल एंबुलेंस 108 की मदद से बालोद जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार कराया जा रहा है.

फिलहाल हादसे की सूचना के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है. हादसा किस वजह से हुआ, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है. शुरुआती तौर पर बस की तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया जा रहा है. हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी. बालोद में सुबह-सुबह हुए इस सड़क हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं. फिलहाल पुलिस की जांच जारी है और मृतक की पहचान के साथ हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बगलामुखी दर्शन कर लौट रहे ओडिशा के 8 श्रद्धालुओं की मौत

नई दिल्ली, 19 सितंबर (न्यूज चैनल)। जिले के नलखेड़ा में मां बगलामुखी माता मंदिर के पास उफनते बरसाती नाले में श्रद्धालुओं से भरी कार बह गई। हादसे में कार सवार आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे, दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। सभी मृतक ओडिशा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार श्रद्धालु उज्जैन से टैक्सी किराये पर लेकर मां बगलामुखी माता मंदिर के दर्शन करने नलखेड़ा पहुंचे थे। दर्शन के बाद लौटते समय मंदिर के पास स्थित बरसाती नाला तेज बारिश के कारण उफान पर था, इसी दौरान कार तेज बहाव की चपेट में आ गई और नाले में बह गई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने काफी मशक्कत के बाद कार को उफनते नाले से बाहर निकाला। कार में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में आशंका है कि तेज बहाव के बीच चालक ने जल्दबाजी में नाला पार करने का प्रयास किया, जिसके कारण कार पानी के तेज बहाव में फंसकर बह गई। हालांकि हादसे की वास्तविक वजह की जांच की जा रही है। एसपी दिलीप कुमार सोनी के मुताबिक हादसे में तीन बच्चों, दो महिलाओं और तीन पुरुषों की मौत हुई है। सभी मृतक ओडिशा के निवासी बताए जा रहे हैं।

शिक्षक ही निकला शिक्षक का हत्यारा

शेयर ट्रेडिंग में 30 लाख का लेन-देन बना हत्या की वजह

रायपुर/आरंग, 19 सितंबर (हाईवे चैनल)। ग्राम बनचरौदा के पास महानदी तट पर हुए शासकीय शिक्षक शिवकुमार चंद्राकर के अंधे कत्ल की गुत्थी को आरंग पुलिस और एसीसीयू की टीम ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पैसों के लेन-देन और ब्याज के विवाद में शिक्षक की निर्मम हत्या करने वाला कोई और नहीं, बल्कि उसी के स्कूल में पदस्थ उसका साथी शिक्षक चंद्रप्रकाश वर्मा निकला। 17 सितंबर को बनचरौदा के पास महानदी के किनारे एक अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। मृतक की पहचान ग्राम रामपुर डंगनिया (चंपारण) निवासी शिवकुमार चंद्राकर (46 वर्ष) के रूप में हुई, जो ग्राम कुम्हारी स्थित शासकीय विद्यालय में शिक्षक थे। वे किसान नेता रूपन चंद्राकर के भतीजे थे। मृतक के सिर और चेहरे पर किसी भारी वस्तु व धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर हत्या की गई थी। घटनास्थल के पास ही उनकी मोटरसाइकिल भी बरामद हुई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए रायपुर ग्रामीण एएसपी अभिषेक कुमार झा, सीएसपी लंबोदर पटेल और आरंग थाना प्रभारी नरेश कुमार साहू फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और साक्ष्य एकत्र किए।

जांच के दौरान पुलिस की शक की सुई मृतक के साथी शिक्षक चंद्रप्रकाश वर्मा की ओर घूमी। चरवाहे और स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि घटना वाले दिन शिवकुमार को अंतिम बार चंद्रप्रकाश की सफेद रंग की स्कूटी पर जाते देखा गया था। पुलिस ने जब कुम्हारी स्कूल के सीसीटीवी फुटेज और शिक्षा विभाग के वीएसके ऐप की लॉग रिपोर्ट का विश्लेषण किया, तो पूरा मामला साफ हो गया। लोकेशन ऑफ कर निकला आरोपी 17 सितंबर की सुबह 9:35 बजे चंद्रप्रकाश स्कूल आया और निजी काम का बहाना बनाकर मोबाइल की लोकेशन ऑफ करके तुरंत बाहर निकल गया।

ब्रेकिंग न्यूज

नंदीग्राम के बाद ममता को एक और झटका, टीएमसी के रेजीनगर उम्मीदवार ने उपचुनाव से वापस लिया नाम

नई दिल्ली, 19 सितंबर (न्यूज चैनल)। पश्चिम बंगाल में 6 अक्टूबर को होने वाले रेजीनगर विधानसभा उपचुनाव के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस गुट ने रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया था, लेकिन अब उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। यह इस गुट से जुड़ी एक और बड़ी घटना है। चौधरी को 13 सितंबर को रेजीनगर के लिए गुट का उम्मीदवार बनाया गया था, साथ ही नंदीग्राम से संचिता प्रधान (डे) को भी मैदान में उतारा गया था। पार्टी ने अपनी चेयरपर्सन ममता बनर्जी के मार्गदर्शन और प्रेरणा से इन दोनों उम्मीदवारों की घोषणा की थी। उन्होंने अपना नाम तब वापस लिया, जब प्रधान ने भी नंदीग्राम से अपना नामांकन वापस ले लिया था। प्रधान ने शुक्रवार दोपहर राज्य सचिवालय नबन्ना में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद चुनाव से हटने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने हल्दिया में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के कार्यालय में अपना नामांकन वापस ले लिया।

राज्यसभा टिकट विवाद के बाद अब लंदन जाएंगी मीनाक्षी नटराजन, तेलंगाना कांग्रेस प्रभारी की जिम्मेदारी छोड़ी

नई दिल्ली, 19 सितंबर (न्यूज चैनल)। मध्यप्रदेश से पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन अब करीब 10 महीने के लिए राजनीति से दूरी बनाकर उच्च शिक्षा पर फोकस करने जा रही हैं। नटराजन तेलंगाना कांग्रेस के प्रभारी पद की जिम्मेदारी छोड़ेंगी और 21 सितंबर को पढ़ाई के लिए लंदन रवाना होंगी। जानकारी के अनुसार, नटराजन को लंदन स्कूल ऑफ बिजनेस में अर्थशास्त्र से संबंधित 10 महीने के कोर्स में प्रवेश मिला है। उन्हें इस कोर्स के लिए छात्रवृत्ति भी मिली है। इसके बाद उन्होंने पढ़ाई के लिए लंदन जाने का निर्णय लिया। अपने इस फैसले की जानकारी वे कांग्रेस हाईकमान को दे चुकी हैं। इस बीच नटराजन के स्थान पर तेलंगाना कांग्रेस के नए प्रभारी की नियुक्ति को लेकर पार्टी के भीतर विचार-विमर्श चल रहा है। मीनाक्षी नटराजन इसी साल मध्यप्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की प्रत्याशी बनाई गई थीं। उन्होंने चुनाव के लिए नामांकन भी दाखिल किया था, लेकिन 9 जून को रिटर्निंग ऑफिसर ने उनका नामांकन खारिज कर दिया। नामांकन खारिज करने के पीछे फॉर्म-26 में तेलंगाना में लंबित एक आपराधिक शिकायत का खुलासा नहीं करने और अधूरा शपथपत्र दाखिल करने को आधार बनाया गया था। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेश में निर्धारित प्रावधानों के संदर्भ में की गई थी।

दमोह में 4 लोगों की निर्मम हत्या: अवैध संबंध के शक में जांच शुरू

भोपाल, 19 सितंबर (न्यूज चैनल)। जिले के मगरोन थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या की सूचना से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घर में महिला और उसके तीन बच्चों के शव मिले हैं। घटना की सूचना मिलते ही मगरोन थाना प्रभारी वंदना गौर, फतेहपुर चौकी प्रभारी रघुवीर सिंह और पथरिया एसडीओपी प्रिया सिंधी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतका का पति द्वारका पटेल मजदूरी के सिलसिले में बाहर रहता था और कुछ समय पहले ही घर वापस आया था। पुलिस ने पति को पूछताछ के लिए अपनी सुरक्षा में लिया है। हादसे में पत्नी खेमा पटेल उम्र 27 वर्ष, बेटी उर्मिला पटेल उम्र 7 वर्ष और बेटे उमेश पटेल 4 वर्ष व राजा पटेल उम्र 1 वर्ष की मौत हुई है। घटना के पीछे अवैध संबंध का शक जताया जा रहा है, हालांकि अभी आधिकारिक स्तर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

एक साथ चार लोगों की हत्या की सूचना के बाद पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए सागर से एफएसएल टीम बुलाई है। टीम के पहुंचने के बाद घटनास्थल की वैज्ञानिक तरीके से जांच की जाएगी। पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में मौके पर साक्ष्य सुरक्षित किए जा रहे हैं। घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी गई है। बताया जा रहा है कि डीआईजी के भी मौके पर पहुंचने की संभावना है। फिलहाल पुलिस ने पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी है। चार लोगों की मौत की परिस्थितियों और घटना के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार 6 माह पूर्व विवाद की बात सामने आई है, जिसकी शिकायत भी महिला द्वारा थाने में की गई थी। पुलिस ने इसे ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है।

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, ममता बेनर्जी की पार्टी का नाम और चिन्ह दोनों बदल गया..! चुहिया- हां जी, ममता की ममता ऐसी रंग लाएगी कभी सोची नहीं थी..!

गुना में ज्योतिरादित्य सिंधिया को वोट न देने की चेतावनी, वायरल वीडियो के बाद मंजूर हुए 3 करोड़

नई दिल्ली, 19 सितंबर (न्यूज चैनल)। मध्य प्रदेश के गुना में, जो केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का संसदीय क्षेत्र है, एक तनावपूर्ण स्थिति तब पैदा हुई जब स्थानीय लोगों ने सड़क की लंबे समय से लंबित मांग को लेकर उनके काफिले को रोक दिया। इस दौरान एक निवासी ने चेतावनी दी कि सड़क न होने का खामियाजा उन्हें वोट के नुकसान के रूप में भुगतना पड़ सकता है।सिंधिया के काफिले को तब रोक लिया जब वे एक गाँव जा रहे थे। इस घटना का एक वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिसमें एक निवासी को सिंधिया से यह कहते हुए सुना जा सकता है कि यह गुज़ारिश है कि इस बार यह सड़क बन जानी चाहिए। नहीं तो, जब आप वोटिंग के समय आएंगे, तो हम बिल्कुल भी वोट नहीं देंगे। यह पूरी कॉलोनी।

सिंधिया ने कड़े शब्दों में जवाब देते हुए उस निवासी से कहा कि मेरे साथ कभी ऐसी भाषा का इस्तेमाल मत करना। समझे मैं सबसे बात कर रहा हूँ। आप आकर अनुरोध करते हैं। काम पूरा करवाना मेरी ज़िम्मेदारी है। वीडियो वायरल होने के करीब आधे घंटे बाद, सिंधिया ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में घोषणा की कि सड़क बनाने के लिए 3 करोड़ रुपये मंज़ूर किए जाएंगे। यह रकम गुना के विधायक पन्नालाल शाक्य के कोटे से, यानी विधायकसिंधिया और निवासियों के बीच हुई इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से फैल गया है, जिससे सड़क की मांग को लेकर हुई इस बहस पर लोगों का ध्यान गया है। इस टकराव के बाद सड़क प्रोजेक्ट के बारे में घोषणा की गई। सख्त लहजे में सिंधिया ने चेतावनी देने के इस निधि से मंज़ूर की गई। सिंधिया ने ज़िला कलेक्टर को यह भी निर्देश दिया कि वे पक्का करें कि सड़क बनाने का काम मॉनसून के बाद शुरू हो।

भिलाई स्टील प्लांट से स्क्रैप चोरी कर रसमड़ा की कंपनी में खपाने का आरोप, दो डायरेक्टर गिरफ्तार

दुर्ग, 19 सितम्बर(हाईवे चैनल)। भिलाई इस्पात संयंत्र से चोरी किए गए लोहे के स्क्रैप को रसमड़ा स्थित रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड में खपाए जाने के मामले में पुरानी भिलाई पुलिस ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मामले में अब तक कुल 21 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। प्रकरण की विवेचना जारी है। पुलिस के मुताबिक पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में 26 मई 2026 को अकलोरडीही खदानपारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स से भारी मात्रा में लोहे का स्क्रैप बरामद किया गया था। इस मामले में जांच के दौरान पहले 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। विवेचना के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से मिली महत्वपूर्ण जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण में पुलिस को भिलाई इस्पात संयंत्र से चोरी किए गए स्क्रैप को रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड, रसमड़ा स्थित औद्योगिक संस्थान में खपाए जाने से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य मिलने का दावा किया है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 18 सितंबर 2026 को रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद कुमार गर्ग (60) और डायरेक्टर संदीप कुमार सिंह (39) को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम विनोद कुमार गर्ग, उम्र 60 वर्ष,निवासी मकान नंबर 33, वालफोर्ट सिटी, भाठागांव, रायपुर,पद- मैनेजिंग डायरेक्टर, रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड, रसमड़ा, संदीप कुमार सिंह, उम्र 39 वर्ष निवासी एसबीआई कॉलोनी, हाउस नंबर 94, जुनवानी रोड, स्मृति नगर, दुर्ग,पद डायरेक्टर,रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड, रसमड़ा है।

यमुना में नहीं होगी बप्पा की विदाई, एनजीटी ने लगा दी रोक

नई दिल्ली, 19 सितंबर (न्यूज चैनल)। यमुना नदी का पानी विसर्जन के लायक भी नहीं है। गणपति बप्पा की विदाई के लिए नगर निगम ने यमुना के घाटों पर अस्थायी कुंड बनाए हैं। कुंडों में यमुना जल की जगह गंगाजल भरा जाएगा। आगरा को पालड़ा से पाइपलाइन के जरिए गंगाजल मिलता है। इन कुंडों में गंगाजल भरकर मूर्तियों का विसर्जन किया जाएगा। हाथीघाट, कैलाश घाट, बल्केश्वर और दशहरा घाट पर विसर्जन के लिए कुंड बनाए गए हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने नदियों और तालाबों में होने वाले प्रदूषण के कारण मूर्तियों के विसर्जन पर रोक लगा रखी है। आगरा नगर निगम ने शहर में यमुना नदी के किनारे चार घाटों पर अस्थायी कुंड बनाए हैं जिनमें मूर्तियों का विसर्जन किया जाएगा। कुंडों के चारों ओर बैरिकेडिंग की जा रही है ताकि सुरक्षित तरीके से श्रद्धालु विसर्जन कर सकें। नगर निगम के कर्मचारियों को भी घाटों पर तैनात किया गया है।

जल-जंगल-जमीन नहीं छोड़ने की जिद 36 परिवारों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

गरियाबंद, 19 सितंबर (हाईवे चैनल)। जिले के उदंती सीता नदी अभ्यारण्य क्षेत्र में विस्थापन की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही विवादों में घिर गया है। अभ्यारण्य प्रशासन पर विस्थापन के लिए ग्रामीणों को उकसाने का आरोप लगा है। गांव में 36 परिवार का एक प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर रणवीर शर्मा से भेंटकर ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग रख दी है, हालांकि कलेक्टर ने इस मसले पर 21 तारीख को जिला स्तरीय समन्वय बैठक में लिए जाने वाले निर्णय के आधार पर कार्रवाई तय करने का भरोसा दिलाया है।

दरअसल, 17 सितम्बर को अभ्यारण्य उपनिदेशक के साथ कलेक्टर ने गांव पहुंचकर विस्थापन को लेकर बैठक किया, जिसमें गांव का एक छोटा समूह शामिल हुआ। बड़े समूह और स्थानीय आदिवासी नेताओं की मांग है कि पूरी प्रकिया पेशा कानून के तहत प्रदत्त अधिकारों के तहत हो, गांव में मौजूद सैकड़ों एकड़ भूमि की वैधानिक स्थिति से लेकर विस्थापन से जुड़ी सभी नियम शर्तों को सार्जनिक किया जाना चाहिए। ग्रामीणों को दलील है कि ऐसा नहीं हुआ, तो विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम और लोकेश्वरी नेताम ने कहा कि ग्राम देवझरअमली में लगभग 156 परिवार निवासरत हैं, जिनमें 36 परिवारों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे अपने पुरखों की जगह और जल-जंगल-जमीन छोड़कर नहीं जाना चाहते। यह गांव केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि ग्रामीणों की पीढ़ियों पुरानी सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है।

झीरम घाटी हत्याकांडः एनआईए कोर्ट के फैसले को लेकर हाईकोर्ट जाएगा आदिवासी समाज

जगदलपुर, 19 सितंबर (हाईवे चैनल)। झीरम घाटी हत्याकांड में एनआईए कोर्ट के फैसले के बाद अब आदिवासी समाज भी खुलकर सामने आया है. अदालत ने मामले में 10 दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है, लेकिन समाज का एक वर्ग इस फैसले से संतुष्ट नहीं है. जगदलपुर के परपा में हुई बैठक में बस्तर संभाग समेत करीब 6 से 7 जिलों से समाज के लोग और प्रभावित परिवारों के सदस्य शामिल हुए. बैठक में इन लोगों ने दावा किया कि जिन लोगों को सजा सुनाई गई है, वे झीरम की घटना में शामिल नहीं थे और उन्हें गलत तरीके से मामले में आरोपी बनाया गया।

समाज के लोगों का कहना है कि गांवों में होने वाली बैठकों में ग्रामीणों का शामिल होना सामान्य बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे नक्सली गतिविधियों में शामिल थे. इसी आधार पर समाज अब इस मामले को आगे अदालत में चुनौती देने की तैयारी कर रहा है। समाज ने फैसला लिया है कि हर गांव और हर परिवार से चंदा जुटाकर कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी. इसके लिए प्रत्येक परिवार से 20 रुपए लेने की बात कही गई है. समाज का कहना है कि पहले हाईकोर्ट में अपील की जाएगी और अगर वहां से भी उन्हें अपेक्षित राहत नहीं मिलती है, तो सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई जारी रखी जाएगी।

सर्व आदिवासी समाज के संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर का कहना है कि प्रभावित परिवारों के साथ बैठक हुई है. झीरम हत्याकांड मामले में एनआईए के सुनाए गए फैसले से समाज संतुष्ट नहीं है. निर्दोष लोगों को गिरफ्तार कर जेल में बंद किया गया है. बैठक में प्रभावितों ने बताया कि उनके परिवार के लोग घटना के दौरान मौजूद ही नहीं थे. घटना की कोई जानकारी आसपास के किसी गांव वालों को नहीं थी. यह घटना वास्तव में बेहद दुखद है. लेकिन कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए लोग घटना में शामिल नहीं थे. वह नक्सली भी नहीं थे. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में रहने के कारण बैठक बुलाई जाती थी, तो वह जाते थे. मगर उन्होंने कभी भी नक्सल गतिविधियों में हिस्सा नहीं लिया. अब इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में चुनौती देंगे, पक्ष में फैसला नहीं आने पर सुप्रिम कोर्ट तक लड़ाई लड़ने की तैयारी है. वहीं सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष गंगा नाग ने भी कहा कि प्रभावित परिवारों से चर्चा के बाद समाज को लगा कि सजा पाए लोग निर्दोष हैं. घटना के पीछे जो असली नक्सली थे, वह आज आराम की जिंदगी जी रहे हैं. इसी वजह से समाज एकजुट होकर उनके लिए कानूनी लड़ाई लड़ने जा रहा है।

CMYK